नई दुनिया 3/12/2019

जेईई में अच्छी रैंक वाले स्टूडेंट्स भी चाहते हैं डीएवीवी के आईईटी में प्रवेश

आईईटी में बेहतर प्लेसमेंट होने से बढ़ रही स्टूडेंट्स की संख्या

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

इस समय डायरेक्टोरेट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (डीटीई) की प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। पहले राउंड की ऑनलाइन काउंसलिंग में स्टूडेंट्स के रुझान में अंतर आया है। सिविल और मैकेनिकल ब्रांच लेने वालों में गर्ल्स की संख्या बढ़ रही है। कम्प्यूटर साइंस और आईटी के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन ब्रांच भी पसंद की जा रही है। कॉलेज च्वॉइस फिलिंग के मामले में देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) को इस साल बढ़त मिली है। ऑनलाइन च्वॉइस फिलिंग में स्टूडेंट्स सबसे पहले गवर्नमेंट कॉलेज और यूनिवर्सिटी के नाम दर्ज करते हैं। इसमें प्रदेशभर के स्टूडेंट्स की सेकंड च्वॉइस यूनिवर्सिटी का आईईटी बना हुआ है। जो स्टूडेंट्स सेकंड नंबर पर भोपाल की आरजीपीवी यूनिवर्सिटी को रखते थे वे भी आईईटी को इस बार ज्यादा वरीयता दे रहे हैं। इसके कारण जानने की कोशिश की गई तो पता लगा कि आईईटी में इस बार सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स को जॉब मिला है। 450 से ज्यादा स्टूडेंट्स को देश की टॉप कंपनियों में जॉब मिला है। इसके वार्षिक पैकेज में भी बढ़ोतरी हुई है। एसजीएसआईटी को छोड़ अन्य सरकारी कॉलेज जॉब के मामले में आगे निकलने से रह गए हैं। इसका असर प्रवेश प्रक्रिया में देखने को मिल रहा है।

डीएवीवी का आईईटी इन दिनों स्टूडेंट्स की टॉप चॉइस बना हुआ है। ● फाइल फोटो

एनआईटी में प्रवेश हो सकता है, लेकिन इंदौर में पढ़ने की ख्वाहिश

काउंसलिंग सेंटर पर आए हिमायु सिंह कहते हैं उनकी जेईई में अच्छी रैंक है। वे एनआईटी और अन्य संस्थानों में भी प्रवेश के लिए ऑप्शन कर सकते हैं, लेकिन जब प्रदेश के ही किसी कॉलेज में अच्छी ब्रांच हो रही है और फीस भी ज्यादा नहीं है और 90 परसेंटाइल से ज्यादा स्टूडेंट्स को जॉब भी मिल रहा है तो बाहर के संस्थानों में प्रवेश क्यों लें।

हिमायु का कहना है उनकी वरीयता एसजीएसआईटीएस और आईईटी की है। इसके बाद के कॉलेजों के नाम वे पहली काउंसलिंग में शामिल नहीं करना चाहते हैं।

शहर के ही मयंक वर्मा का कहना है कि ऑनलाइन कॉलेज च्वॉइस फिलिंग के पहले जानकारों से राय ली है। प्लेसमेंट रिकार्ड भी चेक किए। ज्यादातर कॉलेजों के जॉब रिकार्ड कमजोर होते जा रहे हैं। इसके चलते वे सेकंड नंबर पर आईईटी का नाम ऑनलाइन भर रहे हैं।

टेक्नोलॉजी में डिमांड बढ़ने से आ रही हैं कंपनियां

डीएवीवी आईईटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. गोविंद माहेश्वरी का कहना है पिछले एक से डेढ़ साल से आईटी कंपनियों की डिमांड बढ़ी है। पहले दो से तीन महीने के प्लेसमेंट सेशन में ही कंपनियां आती थी, लेकिन इस बार ज्यादा समय तक कंपनियों ने प्रक्रिया की। पिछले सालों के मुकाबले इस बार ज्यादा स्टूडेंट्स को मौके मिले हैं। आइएमएस के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अवनीश व्यास का कहना है कि अन्य कॉलेजों के मुकाबले इस बार यूनिवर्सिटी में ज्यादा कंपनियों ने रुचि दिखाई है।